SYLLABUS FOR B.A-III
SESSION 2019-20, 2020-21, 2021-22
Sanskrit Semester-Vth
Option-I : काव्य, अलंकार, साहित्य, एवं व्याकरण
(Poetry, Alankar, Sahitya Evam Grammar)

Semester-V में संस्कृत के दो विकल्पों में से एक विकल्प ही लेना है।

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**

Internal Assessment : 25

Total Teaching Period : 75 **Pass Marks : 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रेज़ी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के, 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैं :–

प्रथम भाग :

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत कुमारसम्भवम् (पंचमसर्म 1–50 श्लोक) निर्धारित किया गया है। इस अंश में कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो श्लोकों का प्रसंग, अनुवाद और व्याख्या लिखने को कहा जाए। इनके लिए 15 (पन्द्रह) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत श्रीमद् भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के 1–50 श्लोक निर्धारित किये गये हैं। इस अंश में कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो श्लोकों का प्रसंग, अनुवाद और व्याख्या लिखने को कहा जाए। इनके लिए 15 (पन्द्रह) अंक नियत हैं।

द्वितीय भाग : **30 अंक**

इस भाग को क, ख, ग एवं घ चार विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत लौकिक साहित्य में वाल्मीकि, भास, कालिदास, विष्णुशर्मा, बाणभट्ट, भर्तृहरि और जयदेव निर्धारित है। इसमें इन कवियों से सम्बन्धित दो प्रश्न पूछकर उनमें से किसी एक का उत्तर देने को कहा जाएगा। इसके लिए 10 (दस) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत स्त्री प्रत्ययों में दस शब्दों के साथ स्त्री प्रत्यय का प्रयोग पूछा जाए जिनमें पांच का उत्तर देना अपेक्षित है। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(ग) इस विभाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट अलंकारों में से कोई चार अलंकार देकर किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण, उदाहरण और समन्वय पूछा जाए। इसके लिए 10 (दस) अंक नियत हैं। प्रत्येक अलंकार के 5 अंक होंगे।

तृतीय भाग – **(20)**

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु वाले प्रश्न पूछे जाएं जो कि पाठ्यक्रम के सामान्य परिचय से सम्बन्धित हो। इसके लिए प्रत्येक के लिए 2 (दो) अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भाग : **30 अंक**

(क) कुमारसम्भवम् (पंचम सर्ग) 1–50 श्लोक 15 अंक
(प्रसंग, अनुवाद एवं व्याख्या)

(ख) श्रीमद् भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के 1–50 श्लोक 15 अंक

द्वितीय भाग : **25 अंक**

(क) लौकिक साहित्य (सामान्य परिचय) 10 अंक
वाल्मीकि, भास, कालिदास, विष्णु शर्मा, बाणभट्ट, भर्तृहरि, जयदेव

(ख) स्त्री प्रत्यय– टाप् , ङीष् , ङीन् 5 अंक

(ग) अलंकार (विश्वनाथ कृत साहित्य दर्पण के आधार पर भेदोपभेद छोड़कर) 10 अंक

(i) शब्दालंकार– अनुप्रास, श्लेष, यमक

(ii) अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान, अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति।

तृतीय भाग – **20 अंक**

वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न 2x10 (20 अंक)

<u>नोट</u> :– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. कालिदास, कुमारसम्भवम् (पंचमसर्ग) सं. जगदीशलाल शास्त्री, दिल्ली, मोतीलाल बनारसी दास, 1988
2. विश्वनाथ, साहित्यदर्पण, सं. निरुपण विद्यालंकार, मेरठ साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, 1983
3. व्यास, भोलाशंकर, संस्कृत कविदर्शन, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, 1961
4. पाण्डेय चन्द्रशेखर : संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, कानपुर, साहित्य निकेतन, 1970
5. श्रीमद्भगवदगीता– गोरखपुर, गीता प्रेस, सम्वत् 2012

OPTION-II : उपनिषद्, दर्शन, साहित्य एवं व्याकरण
(Upnishad, Darshana, Sahitya and Grammar)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**
Total Teaching Period : 75 **Pass Marks : 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रेज़ी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के, 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैं :–

प्रथम भाग : **30 अंक**

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत प्रश्नोपनिषद् सम्पूर्ण निर्धारित है। इसमें चार मन्त्र/गद्यांश देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। इसके लिए 15 (पंद्रह) अंक, प्रत्येक के लिए 7½ अंक (साढ़े सात) नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत उपनिषद् का दर्शन तथा गीता का दर्शन निर्धारित है। इन दर्शनों के प्रतिपाद्य विषय से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर पूछा जाए। इसके लिए 15 (पन्द्रह) अंक नियत हैं।

द्वितीय भाग : **25 अंक**

इस भाग को क, ख, ग एवं घ चार विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत लौकिक साहित्य में वाल्मीकि, भास, कालिदास, विष्णुशर्मा, बाणभट्ट, भर्तृहरि और जयदेव निर्धारित है। इसमें इन कवियों से सम्बन्धित दो प्रश्न पूछकर उनमें से किसी एक का उत्तर देने को कहा जाएगा। इसके लिए 10 (दस) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत स्त्री प्रत्ययों में दस शब्दों के साथ स्त्री प्रत्यय का प्रयोग पूछा जाए जिनमें पांच का उत्तर देना अपेक्षित है। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(ग) इस विभाग के अन्तर्गत निर्धारित धातुओं के साथ णिजन्त रूप, (लट् लकार, प्रथम पुरुष, एक वचन में) बनाने को कहा जाए। इसमें दस धातु देकर उनमें से कोई पांच करने के लिए कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(घ) इस विभाग के अन्तर्गत अनुवाद निर्धारित है। इसमें हिन्दी के दस सरल वाक्य देकर उनमें से किन्हीं पांच का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

तृतीय भाग – **(20)**

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु वाले प्रश्न पूछे जाएं जो कि पाठ्यक्रम के सामान्य परिचय से सम्बन्धित हो। इसके लिए प्रत्येक के लिए 2 (दो) अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भाग : **30 अंक**

(क) प्रश्नोपनिषद् सम्पूर्ण 15 अंक

(ख) उपनिषदों का दर्शन तथा गीता का दर्शन 15 अंक

द्वितीय भाग : **25 अंक**

(क) लौकिक साहित्य (सामान्य परिचय) 10 अंक
वाल्मीकि, भास, कालिदास, विष्णु शर्मा, बाणभट्ट, भर्तृहरि, जयदेव

(ख) स्त्री प्रत्यय– टाप् , ङीष् , ङीन् 5 अंक

(ग) णिजन्त (केवल लट लकार, प्रथम पुरूष एक वचन रूप) 5 अंक
निम्न धातुओं के साथ णिजन्त रूप बनाना
भू, पा, गम्, हन्, कृ, दा, प्रच्छ, शक्, गुप्, आप्, ज्ञा, रुद्, वृत्, वृध्, लभ्।

(घ) अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत, सरल वाक्य) 5 अंक

तृतीय भाग – **20 अंक**

वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न 2x10 (20 अंक)

<u>**नोट**</u> :– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. प्रश्नोपनिषद् गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. सिन्हा, हरेन्द्रप्रसाद : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 1980
3. उपाध्याय बलदेव, भारतीय दर्शन, वाराणसी, शारदा मन्दिर, 1966
4. व्यास, भोलाशंकर, संस्कृत कविदर्शन, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, 1961
5. पाण्डेय चन्द्रशेखर : संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, कानपुर, साहित्य निकेतन, 1970
6. शास्त्री विजयचन्द्र तथा नागपाल सी.आर, संस्कृत व्याकरण प्रबोध, जालन्धर,नीलम पब्लिशर्ज, अड्डा टांडा, 1988

SYLLABUS FOR B.A-III
SESSION 2019-20, 2020-21, 2021-22
Sanskrit Semester-VIth
Option-I : पद्य, गद्य, साहित्य, एवं व्याकरण
(Poetry, Prose, Sahitya Evam Grammar)

Semester-VI में संस्कृत के दो विकल्पों में से एक विकल्प ही लेना है।

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**
Total Teaching Period : 75 **Pass Marks : 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रेज़ी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के, 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैं :–

प्रथम भाग :

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत शुकनासोपदेश (कादम्बरी) निर्धारित है। इस नियत भाग से कोई चार अवतरण देकर किन्हीं दो का प्रसंग, अनुवाद और व्याख्या लिखने को कहा जाए। इसके लिए 20 (बीस) प्रत्येक के लिए 10 (दस) अंक नियत हैं।

(ख) इस भाग में व्यावहारिक संस्कृत शब्दावली–वस्त्र, आभूषण एवं श्रृंगारपरक 20 शब्दों में से 10 शब्दों के संस्कृत एवं हिन्दी में प्रयोग।

द्वितीय भाग : **30 अंक**

इस भाग को क, ख, ग एवं घ चार विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत वैदिक साहित्य निर्धारित है। इसमें ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, ईशोपनिषद्, कठोपनिषद् तथा केनोपनिषद् से सम्बन्धित केवल वर्ण्य विषयक सामान्य परिचय ही अपेक्षित है। इन विषयों से सम्बन्धित कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर लिखने को कहा जाए। इसके लिए 10 (दस) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत वाच्य परिवर्तन के लिए दस सरल वाक्य देकर किन्हीं पाँच का उत्तर पूछा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(ग) इस विभाग के अन्तर्गत निबन्ध निर्धारित है। इसमें पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों में से तीन निबन्ध देकर किसी एक विषय पर केवल दस पंक्तियों में निबन्ध लिखने को कहा जाए। इसके लिए 10 (दस) अंक नियत हैं।

तृतीय भाग – **(20)**

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु वाले प्रश्न पूछे जाएं जो कि पाठ्यक्रम के सामान्य परिचय से सम्बन्धित हो। इसके लिए प्रत्येक के लिए 2 (दो) अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भाग : **30 अंक**

(क) शुकनासोपदेश (कादम्बरी) 20 अंक
(प्रसंग, अनुवाद, व्याख्या)

(ख) इस भाग में व्यावहारिक संस्कृत शब्दावली–वस्त्र, आभूषण एवं श्रृंगारपरक 20 शब्दों में से 10 शब्दों के संस्कृत एवं हिन्दी में प्रयोग। 10 अंक

द्वितीय भाग : **25 अंक**

(क) वैदिक साहित्य (सामान्य परिचय) 10 अंक
संहिता ग्रन्थ : ऋक्, यजु, साम, अथर्व
उपनिषद् : ईश, कठ, केन

(ख) वाच्य–कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य में वाक्य प्रयोग तथा वाच्यपरिवर्तन 5 अंक

(ग) निबन्ध : (केवल दस पंक्तियों में) 10 अंक
आदर्शछात्रः , प्रियं मित्रम्, सत्संगतिः, परोपकारः, विद्या, संस्कृत भाषा, भगवद्गीता, महाकवि कालिदासः

तृतीय भाग – **20 अंक**

वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न 2x10 (20 अंक)

नोट :– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. बाणभट्ट, कादम्बरी, शुकनासोपदेश, सं. रमाकान्त झा, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, 1985
2. उपाध्याय बलदेव, वैदिक साहित्य और संस्कृति, वाराणसी, चौखम्बा प्रकाशन, 1961
3. उपाध्याय वेद प्रकाश, वैदिक साहित्य एक विवेचन, चण्डीगढ़ प्रदीप प्रकाशन, 1989
4. उषाकिरण, वैदिक साहित्य का इतिहास, अगीरस प्रकाशन 6313, शमशेर सिंह स्ट्रीट, पटियाला।
5. शास्त्री विजय चन्द्र तथा नागपाल सी.आर, संस्कृत व्याकरण प्रबोध जालन्धर, नीलम पब्लिशर्ज, अड्टा टांडा, 1988

Option-II : उपनिषद, दर्शन, साहित्य, एवं व्याकरण
(Upnishad, Darshana, Sahitya Evam Grammar)

Semester-VI में संस्कृत के दो विकल्पों में से एक विकल्प ही लेना है।

Time : 3 Hours — **Maximum Marks : 75**

Total Teaching Period : 75 — **Pass Marks : 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रेज़ी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के, 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैं :–

प्रथम भाग :

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत तैत्तिरीयोपनिषद सम्पूर्ण निर्धारित है। इसमें चार मन्त्र/अवतरण देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। इसके लिए 15 (पन्द्रह) अंक नियत है। प्रत्येक के लिए 7½ (साढ़े सात) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत मीमांसा दर्शन तथा शंकर का अद्वैत वेदान्त निर्धारित है। इन दर्शनों के प्रतिपाद्य विषय से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर उनमें से किसी एक का उत्तर पूछा जाए। इसके लिए 15 (पन्द्रह) अंक नियत हैं।

द्वितीय भाग : — **25 अंक**

इस भाग को क, ख, ग एवं घ चार विभागों में विभक्त किया गया है :–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत वैदिक साहित्य निर्धारित है। इसमें ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, ईशोपनिषद्, कठोपनिषद् तथा केनोपनिषद् से सम्बन्धित केवल सामान्य पिरचय ही अपेक्षित है। इन विषयों से सम्बन्धित कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर लिखने का`कहा जाए। इसके लिए 10 (दस) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत वाच्यपरिवर्तन के लिए दस सरल वाक्य देकर किन्हीं पाँच का उत्तर पूछा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(ग) इस विभाग के अन्तर्गत निबन्ध निर्धारित है। इसमें पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों में से तीन निबन्ध देकर किसी एक विषय पर केवल दस पंक्तियों में निबन्ध लिखने को कहा जाए। इसके लिए 10 (दस) अंक नियत हैं।

तृतीय भाग – **(20)**

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु वाले प्रश्न पूछे जाएं जो कि पाठ्यक्रम के सामान्य परिचय से सम्बन्धित हो। इसके लिए प्रत्येक के लिए 2 (दो) अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भाग : **30 अंक**

(क) तैत्तिरीयोपनिषद (सम्पूर्ण) 15 अंक
(ख) मीमांसा दर्शन तथा शंकरका अद्वैत–वेदान्त 15 अंक

द्वितीय भाग : **25 अंक**

(क) वैदिक साहित्य (सामान्य परिचय) 10 अंक
संहिता ग्रन्थ : ऋक्, यजु, साम, अथर्व
उपनिषद् : ईश, कठ, केन
(ख) वाच्य–कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य में वाक्य प्रयोग तथा वाच्यपरिवर्तन 5 अंक

(ग) निबन्ध : (केवल दस पंक्तियों में) 10 अंक
आदर्श छात्र :, प्रियं मित्रम्, सत्संगतिः, परोपकारः

तृतीय भाग – **20 अंक**

वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न 2x10 (20 अंक)

नोट :– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. तैत्तिरीयोपनिषद्, गीता प्रैस, गोरखपुर।
2. सिन्हा, हरेन्द्रप्रसाद : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 1980
3. उपाध्याय बलदेव, वैदिक साहित्य और संस्कृति, वाराणसी, चौखम्बा प्रकाशन, 1961
4. उपाध्याय बलदेव, वैदिक साहित्य और संस्कृति, वाराणसी, चौखम्बा प्रकाशन, 1961
5. उपाध्याय वेद प्रकाश, वैदिक साहित्य एक विवेचन, चण्डीगढ़ प्रदीप प्रकाशन, 1989
6. उषाकिरण, वैदिक साहित्य का इतिहास, अगीरस प्रकाशन 6313, शमशेर सिंह स्ट्रीट, पटियाला।
7. शास्त्री विजय चन्द्र तथा नागपाल सी.आर, संस्कृत व्याकरण प्रबोध जालन्धर, नीलम पब्लिशर्ज, अड्टा टांडा, 1988